आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निशदिन सेवत, हरि विष्णु विधाता ।। ओ३म्...
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ।। ओ३म्...
दूर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति दाता ।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ।। ओ३म्...
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ।। ओ३म्...
जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता ।
सब सम्भव जो जाता, मन नहीं घबराता ।। ओ३म्...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता ।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ।। ओ३म्...
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ।। ओ३म्...
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ।। ओ३म्...

विवरण

ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश जिनकी नित्य सेवा में लगे रहते हैं, ऐसी माता लक्ष्मी की हम जय करते हैं तथा उनकी आरती गाते हैं । गौरी,दुर्गा, एवं सरस्वती के रूप में भी आप ही हैं तथा पूरे संसार की जननी हैं ।

सूर्य एवं चन्द्रमा हमेशा आपके ध्यान में लगे रहते हैं तथा नारद जी हमेशा
आपकी महत्ता का गायन करते रहते हैं । दुर्गा के रूप में आप मन को प्रसन्नचित करने वाली हो एवं सभी प्रकार के सुख एवं समृद्धि को देनेवाली हो । जो कोई भी तुम्हारी सेवा करता है वह धन-धान्य से

परिपूर्ण हो जाता है ।

आप पाताल में निवास करने वाली हो तथा मंगल कार्य को करने वाली हो । जिसके जैसे कर्म होते हैं, उसी प्रकार तुम फल देनेवाली हो तथा इस संसार के आने-जाने के क्रम से जो मुक्त होना चाहते हैं उन्हें मुक्त कर देती हो । जिस घर में आपका वास रहता है ,वह घर सद्‌गुणों से भर जाता है । सभी कठिन कार्य सम्भव हो जाते हैं तथा मन जरा भी नहीं घबराता है ।

आपके बिना न कोई यज्ञ सम्भव है और न ही किसी को वस्त्र (कपड़ा) की प्राप्ति ही हो सकती है । खाने-पीने की सभी सामग्रियाँ भी आप ही की महिमा से आती हैं । आपका सभी गुणों से युक्त मन्दिर अत्यन्त सुन्दर लगता है तथा वहाँ दूध एवं दही की नदी बहती रहती है ।

आपके बिना किसी को रत्नों की प्राप्ति भी नहीं हो सकती । ये महालक्ष्मी जी की आरती जो भी गाता है, उसका हृदय आनन्द से सराबोर हो जाता है तथा उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं ।

श्री लक्ष्मी वन्दन

अपने हाथों में कमल का फूल धारण करने वाली नारायणी ! हे महालक्ष्मी
आपको हमारा नमस्कार है । सम्पूर्ण दया का सागर रूपी भगवान विष्णु की प्रिया महालक्ष्मी को हम सिर झुका कर प्रणाम करते हैं ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.